शिक्षक - रवि शंकर राय, विषय - अर्थशास्त्र
दिनांक - 12-10-2020, कक्षा - BA - III

प्रश्न :- प्रथम महायुद्ध के पश्चात संयुक्त राज्य अमेरिका में उद्योग-धन्धों की प्रगति का विवेचन कीजिये। अमेरिका के औद्योगिक विकास की प्रमुख विशेषताएँ क्या हैं?
Discuss the progress of industries in U.S.A. After the first world war. What are the important features of America's industrial development?

Ans => गृह-युद्ध के पश्चात अमेरिका का तीव्र गति से औद्योगिकरण हुआ तथा प्रथम महायुद्ध से पूर्व तक वह संसार का महान औद्योगिक राष्ट्र बन गया। ~~प्रथम~~ प्रथम महायुद्ध के समय औद्योगिक माल की घरेलू और विदेशी माँग बढ़ जाने से औद्योगिक प्रगति को विशेष प्रोत्साहन मिला।

प्रथम महायुद्ध के पश्चात अमेरिका की औद्योगिक प्रगति — प्रथम महायुद्ध की समाप्ति पर उत्पन्न माँग की न्यूनता से अमेरिकी उद्योगों को अल्पकालीन मंदी का सामना करना पड़ा। 1921 के बाद औद्योगिक क्षेत्र में पुनः चेतना आ गई। 1920 से लेकर 1929 तक मोटर निर्माण

उद्योग के उत्पादन में 100 प्रतिशत की वृद्धि हुई। इससे विद्युत-सृजन उद्योग को विशेष प्रोत्साहन मिला। विद्युत का उत्पादन 1920 में 43 बिलियन किलोवाट से बढ़कर 1929 में 97 बिलियन किलोवाट हो गया। 1921 से लेकर 1929 तक कुल औद्योगिक उत्पादन में 42 प्रतिशत वृद्धि हुई। परिणामतः अमेरिका का राष्ट्रीय आय 1921 में 59 बिलियन डॉलर से बढ़कर 1929 में 87 बिलियन डॉलर हो गई तथा प्रतिव्यक्ति वास्तविक आय 522 डॉलर से बढ़कर 715 डॉलर हो गयी।

1929 में अमेरिकी अर्थव्यवस्था का विस्तार अपनी चरम सीमा पर पहुँच गया। अर्थव्यवस्था में अतिउत्पादन के चिन्ह स्पष्ट दिखाई पड़ने लगे तथा आर्थिक अवसाद की शुरुआत हुई। मन्दी का उद्योग पर अत्यन्त प्रतिकूल प्रभाव पड़ा। अनेक कारखाने बंद हो गए तथा बेरोजगारी की संख्या बहुत बढ़ गयी। मंदी के दौरान (1929-33) कुल औद्योगिक

उत्पादन में 50 प्रतिशत की गिरावट आयी। भारी उद्योग तथा टिकाऊ उपभोक्ता वस्तु उद्योगों के उत्पादन में 80 प्रतिशत तक गिरावट आई। बेरोजगारों की संख्या अक्टूबर 1930 में 46.39 लाख से बढ़कर जनवरी 1933 में 130 लाख हो गयी। मार्च 1933 में रूजवेल्ट अमेरिका के राष्ट्रपति बने। उन्होंने देश को आर्थिक संकट से मुक्त कराने के लिए 'न्यू डील' नामक कार्यक्रम लागू किया। इसके अन्तर्गत 1933 का 'राष्ट्रीय औद्योगिक पुनरुत्थान अधि-नियम' पारित हुआ। अधिनियम के प्रमुख उद्देश्य उत्पादन एवं व्यापार का नियमन, मजदूरी में वृद्धि, काम के घंटों में कमी और मूल्यों में वृद्धि थे। इस प्रयासों से औद्योगिक क्षेत्र की स्थिति में पर्याप्त सुधार हुआ है। औद्योगिक उत्पादन का सूचकांक (आधार वर्ष 1923) अगस्त 1934 में 73 बढ़कर अगस्त 1936 में 107 हो गई। इस बीच कारखानों में रोज-गार का सूचकांक 79 से बढ़कर 84 तथा

कारखानों में मजदूरी का सूचकांक 62 से बढ़कर 81 हो गया।

द्वितीय महायुद्ध काल में अमेरिकी उद्योग — द्वितीय महायुद्ध का अमेरिकी उद्योग पर अत्यधिक अनुकूल प्रभाव पड़ा। सितम्बर 1939 (जब महायुद्ध प्रारंभ हुआ) से लेकर दिसम्बर 1941 (जब पर्ल हारबर पर आक्रमण हुआ) तक अल्पावधि में ही अमेरिका का औद्योगिक उत्पादन बढ़कर दुगुना हो गया। इस अत्याशित वृद्धि के तीन कारण थे - सुरक्षा, कार्यक्रम अमेरिकी माल के लिए विदेशी माँग में वृद्धि तथा उपभोक्ता पदार्थों के लिए घरेलू माँग में वृद्धि। 1941 में पारित उधार-पट्टा अधिनियम के अन्तर्गत वस्तुओं के उधार बिक्री आरंभ हुई, जिससे उद्योगों को भारी प्रोत्साहन प्राप्त हुआ। युद्ध काल में मोटर उद्योग ने हवाई जहाजों, टैंकों, जीपों तथा युद्ध से संबंधित अन्य वस्तुओं का उत्पादन प्रारं